

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा दुर्लभ बीमारियों के लिए क्राउड फंडिंग पोर्टल

एम्स भोपाल, जिसे आधिकारिक तौर पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW), भारत सरकार द्वारा दुर्लभ रोगों के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया गया है, दुर्लभ बीमारियों वाले रोगियों के लिए अत्याधुनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है। इन रोगियों के इलाज में आर्थिक सहायता के लिए, एम्स भोपाल जनता को दुर्लभ बीमारियों के लिए क्राउड फंडिंग पोर्टल की उपलब्धता के बारे में सूचित करता है, जो <https://rarediseases.mohfw.gov.in> पर अभिगम्य है। यह पोर्टल दुर्लभ बीमारियों के प्रबंधन और उपचार के लिए आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों और व्यक्तियों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में कार्य करता है। क्राउड फंडिंग पहल दुर्लभ बीमारी के रोगियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने और आवश्यक चिकित्सा सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एम्स भोपाल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अधिक जानकारी और सहायता के लिए, रोगियों और परिवारों को पोर्टल पर जाने या एम्स भोपाल की समर्पित दुर्लभ रोग इकाई से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

संलग्नक : छायाचित्र

Crowd Funding Portal for Rare Diseases by Ministry of Health and family Welfare Now Available

AllMS Bhopal, officially designated as a Centre of Excellence for Rare Diseases by the Ministry of Health and Family Welfare (MoHFW), Government of India, is dedicated to providing state-of-the-art services for patients with rare diseases. To further enhance support for these patients, AllMS Bhopal informs the public about the availability of the Crowd Funding Portal for Rare Diseases, accessible at <https://rarediseases.mohfw.gov.in>. This portal serves as a vital resource for families and individuals seeking financial assistance for the management and treatment of rare diseases. The crowd funding initiative reflects AllMS Bhopal's commitment to address the challenges faced by rare disease patients and ensuring equitable access to essential medical services. For further information and assistance, patients and families are encouraged to visit the portal or contact AllMS Bhopal's dedicated Rare Diseases Unit.